

**अपत वि.** (तत्.) 1. पत्रहीन, बिना पत्ते का उदा. 'अब अलि रही गुलाब की अपत कटीली डार' (बिहारी) 2. लज्जारहित, निर्लज्ज 3. अधम, नीच, पातकी, पापी स्त्री. 1. अप्रतिष्ठा, असम्मान, दुर्दशा, बेइज्जती 2. आपदा, विपत्ति, आपत्ति, मुसीबत।

**अपतट वि.** (तत्.) [अप+तट] समुद्र की ओर, तट से दूर offshore

**अपति वि.** (तत्.) [अ+पति] 1. जिसका पति न हो। विधवा अथवा जिसका अभी तक पति न हो-कुमारी 2. जिसका कोई स्वामी न हो, अनाथ। 3. जो पति या स्वामी न हो।

**अपतिका वि. स्त्री** (तत्.) [अ+पतिका] 1. जिसका पति न हो, पतिहीन 2. कुमारी/विधवा।

**अपतृण पुं.** (तत्.) शा.अर्थ. अनुपयोगी घास। अनावश्यक और अनचाहे रूप में उगने वाले अकृषित पौधे या घासादि जो फसल के लिए हानिकर माने जाते हैं पर्या. खरपतवार। weed

**अपत्नीक वि.** (तत्.) जिसकी पत्नी न हो, पत्नीविहीन, स्त्रीरहित।

**अपत्य पुं.** (तत्.) 1. नरक में पतन से बचाने वाला पुत्र या पुत्री, 2. संतान।

**अपत्र वि.** (तत्.) 1. पत्र-रहित, पत्रविहीन 2. पत्तों से रहित।

**अपत्रप वि.** (तत्.) [अप+त्रप] 1. जिसमें लज्जा या शर्म न हो, निर्लज्ज, बेशर्म, बेहया।

**अपत्रपा स्त्री.** (तत्.) 1. लज्जा, लाज, शर्म 2. व्यग्रता।

**अपत्रस्त वि.** (तत्.) [अप+त्रस्त] 1. भयभीत, बहुत डरा हुआ 2. भय से थमा हुआ, भय से रुका हुआ।

**अपथ पुं.** (तत्.) 1. कुपथ, कुमार्ग 2. वह मार्ग जो चलने योग्य न हो वि. मार्गहीन, पथविहीन।

**अपथगामी वि.** (तत्.) 1. कुमार्गी, कुपथ पर जाने वाला, विपथगामी, पथभ्रष्ट 2. चरित्रहीन।

**अपथ्य पुं.** (तत्.) स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भोजन, रोग बढ़ाने वाला (आहार-विहार)।

**अपद पुं.** (तत्.) बिना पैर के चलने वाला जंतु, रेंगने वाला जंतु। वि. 1. बिना पैर का, लंगड़ा 2. बिना पदवी या ओहदे का।

**अपदयुक्त वि.** (तत्.) [अपद+युक्त] साहि. एक प्रकार का वह अर्थ दोष जब किसी ऐसे पद या वाक्य का अनपेक्षित या अनुचित रूप से प्रयोग हो जिससे किसी कथन या तथ्य का समर्थन न होकर उसका खंडन प्रतीत हो।

**अपदस्थ वि.** (तत्.) पदच्युत, पद या स्थान से हटाया या हटा हुआ।

**अपदार्थ वि.** (तत्.) तुच्छ, निम्न, सारहीन वस्तु पुं. (तत्.) 1. वह वस्तु जिसकी सत्ता न हो 2. वह शब्द जिसका कोई वाक्यगत अर्थ नहीं होता।

**अपदेखा वि.** (देश.) [अपना+देखना] 1. जो हर बात में या कार्य में अपना ही हित देखता हो, मतलबी, स्वार्थी। 2. जो अपने सिवा अन्य की बात न मानता हो। घमंडी, अभिमानी।

**अपदेवता पुं.** (तत्.) दैत्य, राक्षस, असुर।

**अपदेश पुं.** (तत्.) 1. मिथ्या दावा 2. ब्याज, छल, बहाना। pretension

**अपद्रव्य पुं.** (तत्.) 1. निम्न कोटि की वस्तु, कुवस्तु, निकृष्ट वस्तु 2. बुरा धन।

**अपद्वार पुं.** (तत्.) बगली दरवाजा, चोर दरवाजा।

**अपधर्म पुं.** (तत्.) शास्त्रोक्त धर्म को छोड़कर अपनाया गया कोई अन्य धार्मिक मत।

**अपधर्मिता स्त्री.** (तत्.) 1. अपधर्म के पालन की स्थिति, धर्मविकृति 2. धर्मविरुद्ध आचरण।

**अपधर्मी वि.** (तत्.) [अप+धर्मी] 1. धर्म विरुद्ध आचरण करने वाला 2. स्वेच्छाचारी, पाखंडी, आडंबरी 3. नास्तिक